04716

MASTER'S DEGREE IN ECONOMICS

Term-End Examination

December, 2017

MEC-109 : RESEARCH METHODS IN ECONOMICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each* ***section as per instructions.***

SECTION - A

Attempt **any two** questions from this section in about 700 words each : **2x20=40**

1. What were the grounds of criticism of the Positivist philosophy of science ? In what manner did it influence the subsequent thinking ?

2. Why do you think that formulation of hypotheses is an important step in research ? Can you conduct research without hypothesis ? Explain.

3. What are the steps used in construction of Composite Index ? What are the practical applications of Composite Index ?

4. Explain canonical correlation analysis as a technique of multi-variate analysis. Compare it with multiple regression analysis.

SECTION - B

Attempt **any five** questions from this section in about **400** words each : **5x12=60**

5. Normal science is a tradition-bound activity. Do you have a counter-view ? Why ?

6. What are the different types of measurement scales of variables ? Which statistical techniques are best suited in each case ?

7. Is critical theory 'multi disciplinary' ? How ?

8. What are the merits of using Hirschman-Herfindahl indices for measuring inequality ? Illustrate with examples.

9. How do you measure educational infrastructure ? What data are available for it in India ?

10. What are the characteristics of Action Research ?

11. Distinguish between **any three** of the following :
    (a) Inductive and Retroductive research strategies
    (b) Convenience and purposive sampling
    (c) R- square and Adjusted R-square
    (d) Secondary and tertiary data

अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.ई.सी.-109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक **भाग** से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखें।*

भाग - क

इस भाग से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दें। शब्द सीमा 700 प्रत्येक : **2x20=40**

1. प्रमाणवादी दर्शनधारा की आलोचनाओं के क्या आधार थे? आगे के चिन्तन को इसने किस प्रकार प्रभावित किया?

2. आपको क्यों लगता है कि शोध कार्य में अवधारणा का निरूपण एक महत्वपूर्ण कदम होता है? क्या आप बिना अवधारणा के भी शोध कर सकते हैं? व्याख्या करें।

3. एक संयुक्त सूचक की रचना में कौन से सोपान आते हैं? संयुक्त सूचकों के व्यवहारिक प्रयोग क्या होते हैं?

4. बहुचर विश्लेषण की एक विधि के रूप में विहित सह-संबंध विश्लेषण की व्याख्या करें। इसकी बहुचर प्रतीपगमन विधि से तुलना भी करें।

भाग - ख

इस भाग से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखें। शब्द सीमा 400 प्रत्येक : 5x12=60

5. सामान्य विज्ञान एक परंपरा बद्ध कार्य होता है। क्या आप इस विचार के विरोधी हैं? क्यों?

6. चरों के मापन के विभिन्न पैमाने क्या होते हैं? उनमें प्रत्येक के लिए उपयुक्ततम सांख्यिकीय विधियाँ बताइए।

7. क्या समालोचना सिद्धांत का स्वरूप "बहुविषयक" है? किस प्रकार से?

8. विषमता मापन के लिए हर्षमैन-हर्फिन्डॉल सूचकों के प्रयोग में क्या विशेष लाभ रहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

9. आप शैक्षिक उपरि संरचना का मापन कैसे करेंगे? भारत में इस कार्य के लिए कैसे आंकड़े उपलब्ध हैं?

10. क्रियाबद्ध शोध की विशेषताएँ क्या हैं?

11. इनमें से **किन्हीं तीन** युग्मों में भेद स्पष्ट करें :
    (a) आगमनिक और प्ररचानयिक (Retroductive) शोध युक्तियां
    (b) सुविधाजनक एवं प्रयोजनात्मक निदर्श
    (c) R - वर्ग और समंजित R - वर्ग
    (d) द्वितीयक और तृतीयक आंकड़े